GREENLAWNS SCHOOL , WORLI

प्रथम सत्रीय पुनरावलोकन -2018- 19

कक्षा ः दसवीं पूर्णांक ः 80

दिनांक ः 1 10 18 विषय ः हिंदी समय ः 3 घंटे

सूचना ः 1 प्रथम पंद्रह मिनट प्रश्न ः पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

2. प्रश्न -पत्र के दो भाग हैं " अ" तथा "ब"।

3. भाग " अ" के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. भाग " ब " में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

5 प्रश्न ः पत्र के पृष्ठों की संख्या 7) है।

Section A (40 Marks)

Attempt All Questions

विभाग ः अ अंक ः 40

भाषा ः विभाग

Question 1 Write a short Composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए : 15)

I आजकल प्रायः बच्चे बड़ों को उचित सम्मान नहीं देते हैं।इसके कारणों को स्पष्ट करते हुए यह भी लिखिए कि माता ः पिता के प्रति संतान के क्या कर्तव्य होते हैं इन सबका परिवार और समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है

II पुरूषों की अपेक्षा महिलाए बहुत अच्छी राजनीतिज्ञ हो सकती हैं।' इस विषय के पक्ष या विपक्ष में अपना मत व्यक्त कीजिए।

III प्रकृति मानव की चिर सहचरी है।मनुष्य आज अपने स्वार्थ वश उसके संतुलन को बिगाड़ रहा है जो भावी पीढ़ी के लिए घातक है।इस विषय पर अपने विचार लिखते हुए प्रस्ताव लिखिए।

IV " चोर ः चोर मौसेरे भाई " इस लोकोक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए।

V नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और उसके आधार पर कोई घटना कहानी या लेख लिखिए पर ध्यान रहे विषय का सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए :

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए : (7)

(लिफाफा आवश्यक)

आप अपना पैतृक गाँव देखना चाहते हैं इसलिए गाँववाले चाचाजी को एक पत्र लिखकर बताइए कि आप गाँव क्यों देखना चाहते हैं ।

अथवा

आँखों पर चश्मा होने के बाद भी आजकल आप पढ़ते समय दर्द का अनुभव कर रहे हैं । अपने नेत्र चिकित्सक को पत्र लिखकर नेत्र परीक्षण का समय निर्धारित कीजिए।

Question 3 Read the passage given below and answer in Hindi the ouestion that follow using your own words as far as possible :

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए : (10)

भगतसिंह राजगुरू और सुखदेव ने पंजाब गर्वनर को पत्र में लिखा था कि हम कहना चाहते हैं कि युद्ध छिड़ा हुआ है और यह युद्ध तब तक कि शक्तिशाली व्यक्ति भारतीय जनता और श्रमिकों की आय के साधनों पर अपना एकाधिकार जमाए रखेंगे। चाहे ऐसे व्यक्ति अंग्रेज पूँजीपति व अंग्रेज शासक हों या सर्वथा भारतीय ही हों। उन्होंने आपस में मिलकर एक लूट जारी कर रखी है। यदि शुध्द भारतीय पूँजीपतियों के द्वारा ही निर्धनों का खुन चूसा जा रहा हो तब भी इस स्थिति में कोई अन्तर नहीं पड़ता। यदि आपकी सरकार कुछ नेताओं या भारतीय समाज के मुखियों पर प्रभाव जमाने में सफल हो जाए कुछ सुविधायें मिल जाए अथवा समझौते हो जाए उससे भी स्थिति नहीं बदल सकती। जनता पर इन सब बातों का प्रभाव बहुत कम पड़ता है।

इस बात की भी हमें चिंता नहीं है कि एक बार फिर युवकों को धोखा दिया गया है और इस बात का भय नहीं है कि हमारे राजनैतिक नेता पथभ्रष्ट हो गये हैं और वे समझौते की बातचीत में इन निरपराध बेघर और निराश्रित बलिदानियों को भूल गए हैं जिन्हें दुर्भाग्य से क्रांतिकारी दल का सदस्य समझा जाता है। हमारे राजनैतिक नेता उन्हें अपना शत्रु समझते हैं क्योंकि उनके विचार में वे हिंसा में विश्वास रखते हैं हमारी वीरांगनाओं ने अपना सब कुछ बलिदान कर दिया है। उन्होंने बलिवेदी पर अपने पतियों को भेंट किया उन्होंने अपने आप को भी न्यौछावर कर दिया परंतु आपकी सरकार उन्हें विद्रोही समझती है। आपके एजेन्ट भले ही झूठी कहानियाँ बनाकर उन्हें बदनाम कर दें और दल की ख्याति को हानि पहुँचाने का प्रयास करें परंतु यह युद्ध चलता रहेगा।

निकट भविष्य में यह युद्ध अंतिम रूप में लड़ा जाएगा और तब यह निर्णायक युद्ध होगा साम्राज्यवाद एवं पूँजीवाद कुछ समय के मेहमान हैं। यही वह युद्ध है □जिसमें हमने प्रत्यक्ष रूप में भाग लिया है। हम इसके लिए अपने आप पर गर्व करते हैं कि यह युद्ध न तो हमने प्रारंभ ही किया है और न यह हमारे जीवन के साथ समाप्त ही होगा। हमारी सेवाए□इतिहास के उस अध्याय के लिए
मानी जाए□ □जिसे यतीन्द्रनाथ दास और भगवतीचरण के बलिदानों ने विशेष रूप में प्रकाशमान कर दिया है। उनके बलिदान महान् हैं।

जहा□तक हमारे भाग्य का सम्बंध है □हम पूरा जोर देकर आप से कहना चाहते हैं कि आपने हमें फा□ी पर लटकाने का निर्णय कर लिया है □आप ऐसा करेंगे ही। आपके हाथों में शक्ति है और आपको अधिकार भी प्राप्त है। परंतु इस प्रकार आप 'जिसकी लाठी उसकी भैंस ' वाला सिध्दांत ही अपना रहे हैं और उस पर कटिबध्द हैं। हमारे अभियोग की सुनवाई इस वक्तव्य को सिध्द करने के लिए पर्याप्त ही कि हमने कभी कोई प्रार्थना नहीं की और अब भी हम आपसे किसी प्रकार की दया की प्रार्थना नहीं करना चाहते हैं क्योंकि आपकी सरकार के ही एक न्यायालय के निर्णय के अनुसार हम पर युद्ध जारी रखने का अभियोग है।

इस स्थिति में हम युद्धबंदी हैं और इसी आधार पर हम आपसे मा□ करते हैं कि हमारे प्रति युद्धबंदियों जैसा ही व्यवहार किया जाए□ हमें फा□ी देने के बदले गोली से उड़ा दिया जाए।

प्रश्न ः

I□ युध्द का क्या अर्थ है □युध्द किस□ किस के बीच छिड़ा हुआ है □ **2**

II□ तीनों □ांतिकारियों को किसकी चिंता नहीं थी और क्यों □ **2**

III□ निकट भविष्य में कौन□ सा युध्द अंतिम रूप से लड़ा जाएगा □और किसने उसे विशेषरूप से प्रकाशमान कर दिया है□ **2**

IV□ तीनों □ांतिकारियों ने क्या प्रार्थना की और क्यों □ **2**

V□ इस अपठित गद्यांश से आपने क्या शिक्षा ली □ **2**

Question Answer the following according do the instructions given : -

4□ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए ः - □**8**)

I. सिर्फ तत्सम शब्द लिखिए ः - 1

1□ नाक **2**□ सात

II. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए ः - 1

1□ निद्रा **2**□ पालक **3**□ नेकी **4**□ निर्मल

III□ निम्न शब्दों में से किसी एक के 'दो' पर्यायवाची शब्द लिखिए ः - 1

1□नमस्कार 2□धर्म

IV□निम्नलिखित अशुद्ध शब्द के शुध्द शब्द लिखिए ः - 1

1□मछर 2□घनिष्ट

V□निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए ः - 1

1□तारे गिनना 2□ डंका बजना

VI□ कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए ः - 3

1□जहाज के डूबते ही कप्तान कूद पड़ा। □वाक्य शुद्ध कीजिए। □

2□हमारे दवारा □ल्म देखी गई। □कर्तृवाच्य में बदलिए। □

3□युवक अपने नए काम को लेकर का□ उत्साहित था। □लिंग बदलिए। □

Section B (40 Marks)

Attempt at least one one question from 2 books

विभाग ब □अंक 40□

साहित्य विभाग □गद्य विभाग□

इस भाग से कुल 4 प्रश्न करने हैं।

चयनित प्रत्येक पुस्तक में से एक एक प्रश्न लिखना अनिवार्य हैं।

संक्षिप्त कहानिया□

Question Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow :-

5□ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए ः
पशु समाज में इस ' क्रांतिकारी ' परिवर्तन से हर्ष की लहर दौड़ गई कि सुख समृद्धि और सुरक्षा का स्वर्ण युग अब आया और वह आया।

भेड़ें और भेड़िए

लेखक हरिशंकर परसाई

प्रश्न ः

i□यह □ांतिकारी परिवर्तन क्या था □ □2□

ii□पशु समाज में किसकी संख्या अधिक थी और उनका स्वभाव कैसा था □ □2□

iii□इस परिवर्तन को लाने की बात किसने तय की थी तथा क्यों □ □3□

iv□पाठ के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। □3□

Question 6□ Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए ੬

" ओह ! आप चुप न रहेंगे □मैं कहती हू□ यह व्यर्थ का संदेह आप मन से निकाल दीजिये या मेरे लिए संखिया म□□ दीजिये। छुट्टी हो। "

संदेह

लेखक ̍ जयशंकर प्रसाद

प्रश्न ੬

i□प्रस्तुत कथन किसने □किससे □कब और क्यों कहा □ □2□

ii□श्रोता क्यों परेशान है एवं उनका परिचय दीजिए□ □2□

iii□ वक्ता का परिचय दीजिए□ □3□

iv□पाठ का उद्देश्य लिखिए। □3□

Question 7□ Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए ੬

उस दिन बड़े सवेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा कि घर भर में कुहराम मचा हुआ है।

काकी

लेखक ̍ सियारामशरण गुप्त

प्रश्न ੬

i□ श्यामू ने सवेरे उठकर क्या ̍ क्या देखा □ □2□

ii□ श्यामू ने काकी के विषय में क्या कहा तथा क्या किया □ □2□

iii□ श्यामू को किस ̍ किस ने क्या समझाया और किनके द्वारा उसे सत्य ज्ञात हुआ □ □3□

iv□श्यामू की मनोदशा अपने शब्दों में लिखिए। □3□

पद्य विभाग

Question Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow :-

8□ निम्नलिखित पाद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए ः

ऐसो को उदार जग माहीं।
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं।।

जो गति जोग विराग जतन करि नहिं पावन मुनि ज्ञानी।
सो गति देत गीध सबरी कहूँ प्रभु न बहुत जिय जानी।।
जो सम्पत्ति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्ही।
सो सम्पदा विभीषण कहँ अति सकुच प्रभु दीन्ही।।
तुलसीदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो।।
तौ भजु राम काम सब पूरन कर कृपानिधि तेरो।।

विनय के पद

कवि तुलसीदास

प्रश्न ः

i□ 'ऐसो को उदार जग माहीं।' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। (2)

ii सबरी कौन थी ? उसका परिचय दीजिए। (2)

iii विभीषण कौन था ? श्रीराम ने उन्हें क्या प्रदान किया और कैसे ? (3)

iv □ कवि का परिचय दीजिए। (3)

Question Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow :-

9□ निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए ः

पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए
आँधी चली धूल भागी घाघरा उठाए ।
बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी घूँघट सरखाए।
मेघ आए बड़े बन ठन के सँवर के ।

मेघ आए

कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

प्रश्न ः

i) 'बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी , घूँघट सरखए ' स्पष्ट कीजिए। (2)

ii) कवि ने आँधी और धूल का वर्णन किस रूप में किया है ? मेघों के आगमन पर वे क्या कर रही हैं ? (2)

iii) कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। (3)

iv) शब्दार्थ लिखिए ः ठिठकी, चितवन , झाँकने लगे , उचकाए , घाघरा, बाँकी। (3)

Question Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow :-

10) निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए ः

व्यथित है मेरा हृदय- प्रदेश ,
चलूँ उसको बहलाऊँ आज।
बताकर अपना सुख- दुख उसे
हृदय का भार हटाऊँ आज।।

मातृ मंदिर की ओर
कवयित्री- सुभद्रा कुमारी चौहान

प्रश्न ः

i) 'व्यथित ' शब्द का क्या अर्थ है ? इस शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है ? (2)

ii) अपने हृदय की पीड़ा को कम करने के लिए उसने क्या उपाय सोचा ? समझाकर लिखिए। (2)

iii) कवयित्री की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए। (3)

iv) प्रस्तुत कविता द्वारा कवयित्री हमें क्या संदेश देना चाहती है ? अपने शब्दों में समझाकर लिखिए । (3)

**** समाप्त ****